

गुरुलाल धर्मिक एक महा हस्त
 लेख - महर्षि, पञ्चमाली महा महा
 दिन ११.५.१४ श्री गुरु जी

पञ्चानली प्रह्लाद दुर्ग, पञ्चदशान उपाधि-
रही. कद. कद काचल दिलके के कद
भी उगीं हने उलीं कमी भयक उपाधि-
कल. कर्जना कल के कद हलली कल
पैरनी मे लालीज विषा आल ही
पञ्चानली पैलल मुनर रीतर कालेल
दुपार ही. ॥ १४ ॥

9 Dec 1944

1. The first part of the paper is devoted to the study of the properties of the function $f(x)$ defined by the equation

